AMAR UJALA MY CITY Page 1, 5 & 6

अमर उजाला वेबिनार में लविवि कुलपति आज करेंगे विद्यार्थियों से संवाद

लखनऊ। कोरोना काल के संकट से उच्च शिक्षा भी नहीं बच पाई है। विद्यार्थियों के मन में प्रवेश से लेकर परीक्षा और दाखिले से संबंधित तमाम सवाल हैं। इनका उत्तर देने के लिए 'अमर उजाला' अपने सामाजिक सरोकारों की कड़ी में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ रविवार दोपहर एक बजे से वेबिनार का आयोजन कर रहा है।

वेबिनार में कुलपति कोरोना काल के बाद विवि के विकास की आगे की तैयारियों के बारे में बताएंगे। साथ ही कोरोना काल में विद्यार्थियों की समस्याओं पर भी बात करेंगे। वेबिनार के दौरान कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी भी जुड़ेंगे। कुलपति और विशेषज्ञ परीक्षा के आयोजन पर भी चर्चा करेंगे। इस वेबिनार का फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रसारण किया जाएगा। कुलपति वेबिनार में लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह की तैयारियों की भी जानकारी देंगे। साथ ही विवि क्या नया करने जा रहा है, इस बारे में भी बताएंगे। इस समय परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में उहापोह के साथ ही ऑनलाइन पढ़ाई भी इस समय एक बड़ा मुद्दा है। इन पर भी कुलपति बात रखेंगे तथा स्टूडेंट्स की समस्याओं का समाधान भी करेंगे।

दोपहर एक बजे से शुरू होगा वेबिनार, परीक्षा और पढ़ाई पर होगी बात

अपने सवाल यहां भेजें
व्हाट्सएप नंबर : 8960269305

अमर उजाला लखनऊ के फेसबुक पेज फॉलो करें
https://www.facebook.com/AuNewsLucknow

लाइव सेशन ज्वॉइन करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

इनकी सादगी के सभी कायल

-डॉ. आरपी सिंह, इंग्लिश डिपार्टमेंट, लखनऊ विवि

डॉ. आरपी सिंह किसी परिचय के मोहताज नहीं। 30 के करीब किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें से पांच ऑक्सफोर्ड से प्रकाशित हैं। सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। सादा जीवन उच्च विचार के सख्त हिमायती हैं। उनकी जीवनशैली, आडंबररहित जीवन को देख कर कोई भी इसका अंदाजा लगा सकता है। उनके जानने वाले बताते हैं कि जिस तरह वे साधारण तरीके से रहते हैं, उसे देख कर उनके इतने बड़े प्रोफेसर होने का अंदाजा लगाना मुश्किल है। सादगीपूर्ण जीवन के हिमायती डॉ. आरपी सिंह की पुस्तकें विदेशी पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। कार के बजाय कभी मेट्रो या कोई पब्लिक ट्रांसपोर्ट के जरिये यूनिवर्सिटी पहुंच जाते हैं। कहते हैं कि नियमित दिनचर्या आपको सूकून के साथ-साथ सेहतमंद भी रखती है और जीवन में कृतज्ञता का भाव ही सादगीपूर्ण व्यक्तित्व की निशानी है।

लविवि में दाखिले को 15 तक करें आवेदन

लखनऊ। कॉलेजों में सीधे दाखिले के साथ ही लविवि में भी 15 जुलाई तक दाखिले के लिए आवेदन किया जा सकता है। इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय की केंद्रीकृत दाखिला प्रणाली में कुल 54 कॉलेज शामिल हो रहे हैं। स्व वित्तपोषित के साथ ही इस सूची में शशिभूषण गर्ल्स डिग्री कॉलेज और खुन-खुनजी गर्ल्स डिग्री कॉलेज के साथ ही दो अनुदानित कॉलेज भी शामिल हैं।

जेएनपीजी में 22 तक करें आवेदन : श्री जय नारायण मिश्रा महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। महाविद्यालय परीक्षा तथा प्रवेश समिति के प्रभारी एवं उप प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि स्नातक, परास्नातक, ला, बीपीएड एवं बीबीए आई बी आदि की रेग्युलर और सेल्फ फाइनेंस सभी पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरे जा रहे हैं।

THE PIONEER Page 3

Centralised admission to emotionally integrate affiliated colleges: LU VC

PNS ■ LUCKNOW

The centralised admission process will emotionally integrate affiliated colleges with Lucknow University and also help in bringing quality in terms of students getting admission, Vice-Chancellor Alok Rai said on Saturday.

"When I came here, I realised there was no emotional integration of the institutions or students with the university. The students and the institutions were taking themselves as a separate entity and I wanted greater integration through handholding," he said.

He added that the relationship which existed between the university and affiliated colleges was sort of inspectorial which he wanted to shed. Lucknow University was only supposed to give them affiliation and enroll experts in their faculty selection. There has to be greater integration prospects available through engagement," he said. He pointed out that all these students were, after all, the students of Lucknow University.

"When students fill LU forms, appear for the exams

conducted by LU and get results prepared by LU, they have to be more involved with the university. Many of the colleges that are in the periphery in terms of funds and if the university has given them affiliation, sometimes they do not have as sophisticated a website as LU's so, at times the quality in the admissions gets compromised vis-à-vis the merit of the students. We have got applications from over 50,000 students this year and we will not be admitting more than 5,000, so can we offer them seats in colleges which are owing our name, teaching our curriculum and having our examination system. It will also help us have some quality control," he said.

The Vice-Chancellor said this process would not only give them better quality of students but also more students. "In a particular course such as BCom, more than 20 colleges have less than 10 students, and hence this process will help these colleges get more students," he added.

He said he was getting a good response from colleges in terms of participation. "We have 170 colleges, out of which 18 are not eligible because they are running only BEd programmes through the centralised admission process. The minority institutions are not participating because they have to have reserved seats. Some of the aided colleges that have got better grants are not participating," he said, adding that they started a little late because of coronavirus. He pointed out that 50 per cent of the colleges were participating in the process. Regarding the admission procedure, he said colleges had already registered and they were placing their names along with the programmes on the website and students could opt for their choices and be called for counselling. He said they had extended the date for submitting application forms to July 15.